अध्याय – 4

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

शोध का एक मुख्य हिस्सा विश्लेषित अभ्यास करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना होता है। सांख्यिकीय का प्रयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण और व्याख्या कर उनसे परिणाम प्राप्त करने हेतु करते हैं। प्रस्तुत शोध कार्य में अन्वेषक द्वारा प्राथमिक शासकीय विद्यालय के छात्रों का अध्ययन किया एवं उनसे संबंधित कुछ कथनों को लिया जिसके आधार पर शोध कार्य किया।

प्रस्तुत शोध कार्य में जो उपकरण तैयार किये गये थे उसमें बच्चों की आधारभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान से संबंधित कुछ शब्दों और अक्षरों को लिया गया। जिसके आधार पर अन्वेषक ने प्रदत्तों का संकलन किया एवं प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण इस अध्ययन में किया गया है। जिसमें प्राप्त प्रदत्तों को वर्णात्मक रुप में आधारभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को दर्शाया गया है।

4.1.1 आधारभूत साक्षरता की स्थिति का अध्ययन

1. उद्देश्य

प्राथमिक स्तर के बच्चों की आधारभूत साक्षरता की स्थिति का अध्ययन करना।

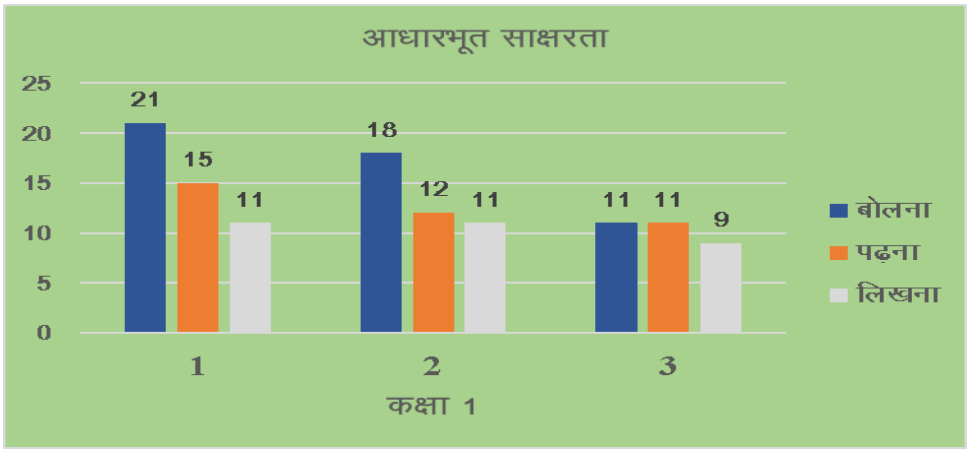

चित्र क्रमांक 4.1: आधारभूत साक्षरता कक्षा 1 बोलना, पढना एवं लिखना

स्तर–1 चित्र देखकर बोलना, पढ़ना एवं लिखना

अन्वेषक के द्वारा उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 26 बच्चों में से 21 बच्चे चित्र वाले अक्षर कैलेण्डर को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 15 बच्चे 2 या 3 शब्द वाले चित्र देखकर पढ़ते हैं, तथा 11 बच्चे 2 या 3 शब्द के सरल शब्दों को लिख पाते हैं।

स्तर–2 बिना चित्र देखे बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 18 बच्चे बिना चित्र के अक्षर को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 12 बच्चे 2 या 3 शब्द वाले शब्दों को पढ़ लेते हैं तथा 11 बच्चे 2 या 3 शब्द के सरल शब्दों को लिख पाते हैं।

स्तर–3 बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 11 बच्चे कहीं से भी अक्षर को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 11 बच्चे अपनी पुस्तक से छोटे वाक्य पढ़ लेते हैं तथा 9 बच्चे बिना मात्रा वाले सरल वाक्यों को लिख लेते हैं।

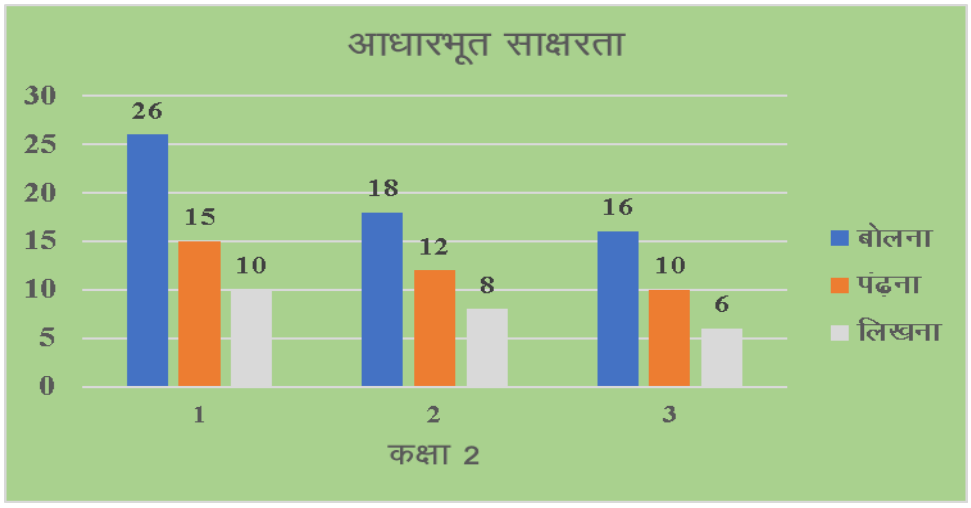

चित्र क्रमांक 4.2: आधारभूत साक्षरता कक्षा 2 बोलना, पढना एवं लिखना

स्तर–1 चित्र देखकर बोलना, पढ़ना एवं लिखना

अन्वेषक के द्वारा उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 30 बच्चों की कुल संख्या में से 26 बच्चे जो चित्र वाले अक्षर कैलेण्डर से मात्राओं को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 15 बच्चे मात्रा के साथ अक्षर को पहचान कर पढ़ते हैं, तथा 10 बच्चे मात्रा के साथ वाले अक्षर को लिख लेते हैं।

स्तर–2 बिना चित्र देखे बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 18 बच्चे बिना चित्र के मात्रा वाले शब्द को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 12 बच्चे मात्रा वाले शब्दों को जोड़कर पढ़ लेते हैं तथा 8 बच्चे मात्रा वाले शब्दों को लिख लेते हैं।

स्तर–3 बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 16 बच्चे पुस्तक के बीच में कहीं से भी मात्रा वाले शब्दों को देखकर पहचानते और बोलते हैं। एवं 10 बच्चे अपनी पुस्तक को पढ़ लेते हैं तथा 6 बच्चे वाक्यों को लिख लेते हैं।

व्याख्या : सीखने के प्रतिफल के आधार पर

स्तर–1 कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के बच्चे अक्षर को नहीं चित्र को देखकर बोलते ,पढ़ते और लिखते हैं, उनके सामने अक्षर या मात्राएँ हों या न हों उसकी जगह पर चित्र का होना जरूरी है। जैसे "क" से कबूतर या "ओ" से ओखली, क एवं ओ हो या न हो पर कबूतर का चित्र और ओखली का चित्र होना जरूरी है।

स्तर–2 कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के बच्चे बिना चित्र के बोलते ,पढ़ते और लिखते हैं, लेकिन उनकी स्मृति में कहीं न कहीं चित्र है जिससे वह "क" को क, न पढ़कर एवं "ओ" को ओ न पढ़कर, क से कबूतर बोलते एवं "ओ" से ओखली, बोलते, पढ़ते और लिखते हैं, इसी वजह से दो या तीन सरल शब्द और मात्रा वाले शब्द, पढ़ने और लिखने में सक्षम नहीं हैं।

स्तर–3 सीखने के प्रतिफल के आधार पर इस स्तर में कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के बच्चे सही तरीके से अक्षरों और मात्राओं वाले शब्दों एवं छोटे–छोटे वाक्यों को पढ़ एवं लिख पाते है।

चित्र क्रमांक 4.3: शासकीय प्राथमिक शाला इनायतपुर कोलार

चित्र क्रमांक 4.4: कक्षा 1 एवं कक्षा 2

4.1.2 संख्या ज्ञान की स्थिति का अध्ययन

2. उद्देश्य

प्राथमिक स्तर के बच्चों की संख्या ज्ञान की स्थिति का अध्ययन करना।

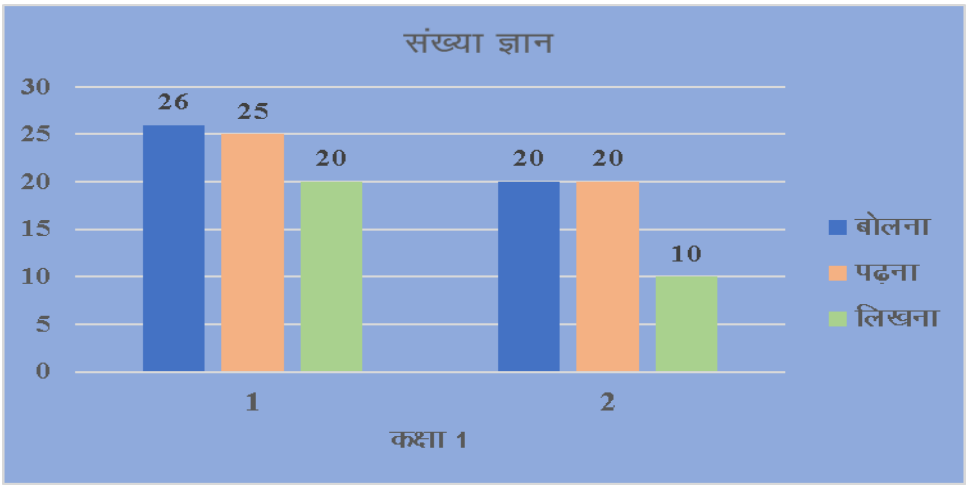

चित्र क्रमांक 4.5: संख्या ज्ञान कक्षा 1 बोलना, पढना एवं लिखना

स्तर–1 अंक कैलेण्डर देखकर बोलना, पढ़ना एवं लिखना

अन्वेषक के द्वारा उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 26 बच्चे अंक कैलेण्डर से अंक को देखकर पहचान और बोल लेते हैं, 25 बच्चे गिनती को लगातार पढ़ लेते हैं तथा 20 बच्चे अंको और गिनती को लिख लेते हैं।

स्तर–2 बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 20 बच्चे अंक को देखकर पहचानते और बोलते हैं, रंग भी पहचानते हैं, ज्यादा–कम में अंतर कर लेते हैं एवं 20 बच्चे संख्याओं को अलग–अलग तरीके से पढ़ लेते हैं तथा 10 बच्चे एक अंक वाली संख्याओं को जोड़–घटा लेते हैं।

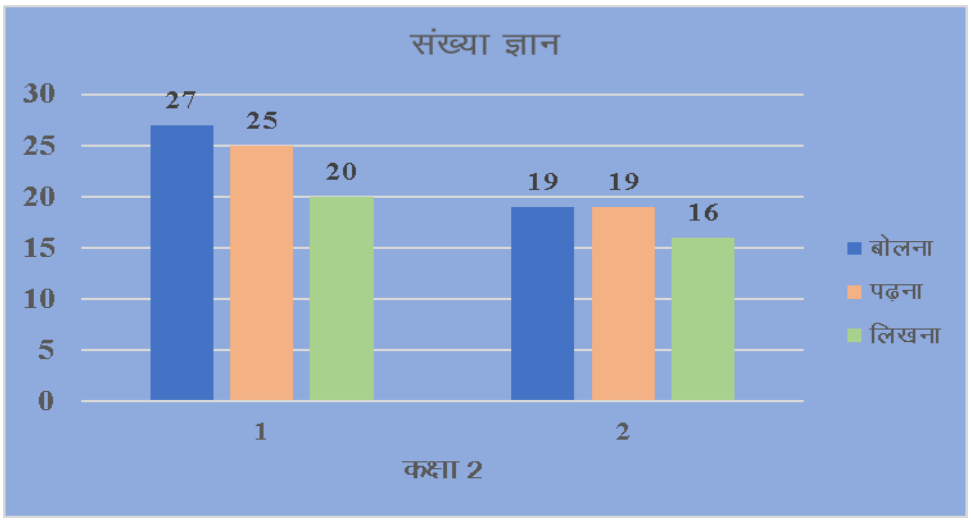

चित्र क्रमांक 4.6: संख्या ज्ञान कक्षा 2 बोलना, पढना एवं लिखना

स्तर–1 अंक कैलेण्डर देखकर बोलना, पढ़ना एवं लिखना

अन्वेषक के द्वारा उपयोग किये गये उपकरणों में से 27 बच्चे अंक कैलेण्डर एवं पहाड़ा कैलेण्डर को देखकर पहचानते और बोलते हैं, 25 बच्चे 200 तक की गिनती एवं पहाड़ा पढ़ लेते हैं तथा 20 बच्चे गिनती एवं पहाड़ा लिख लेते हैं।

स्तर–2 बोलना, पढ़ना एवं लिखना

उपयोग किये गये उपकरणों के अनुसार 19 बच्चे बीच से कहीं से भी पूँछने पर अंको को पहचानते हैं, कम–ज्यादा में अंतर कर लेते हैं, रंग भी पहचान लेते हैं, आकार भी पहचान लेते हैं। एवं 19 बच्चे दो अंको वाली संख्याओं के जोड़–घटाव को पूँछने पर बताते हैं तथा 16 बच्चे दो अंकों वाली संख्याओं को जोड़–घटा लेते एवं 5 तक का पहाड़ा भी लिख लेते हैं।

व्याख्या : सीखने के प्रतिफल के आधार पर

स्तर–1 कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के बच्चों को संख्याओं का ज्ञान है गिनती, पहाड़े का ज्ञान, रंग का ज्ञान, कम–ज्यादा का ज्ञान एवं अलग–अलग आकारों का भी ज्ञान है लेकिन कक्षा 1 के बच्चों को 1–2 अंक वाले जोड़–घटाना एवं कक्षा 2 वाले बच्चों को हासिल वाला जोड़–घटाना सही तरीके से नहीं आता है।

स्तर–2 सीखने के प्रतिफल के आधार पर इस स्तर में कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के बच्चों को संख्याओं के ज्ञान के साथ–साथ जोड़–घटाना भी सही तरीके से करना आता है।

चित्र क्रमांक 4.7: शासकीय हाईस्कूल शाला बैरागढ़ चीचली कोलार

चित्र क्रमांक 4.8: कक्षा 1 एवं कक्षा 2